NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 10

Chapter Name : कामचोर

Q1 कहानी में मोटे-मोटे किस काम के हैं? किन के बारे में और क्यों कहा गया?

Answer. मोटे-मोटे से तात्पर्य यहाँ घर के सभी बच्चों से है। बच्चे सारे दिन खेलते-कूदते रहते थे परन्तु घर के कामकाज में ज़रा सी भी मदद नहीं करते थे।

Page : 60, Block Name : कहानी से

Q2 बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई ?

Answer. बच्चों के उधम मचाने से सारा घर अस्त व्यस्त हो गया| मटके-सुराहियाँ इधर-उधर लुढक गए। घर के सारे बर्तन अस्त-व्यस्त हो गए। चारों तरफ टूटे हुए तसले, बालटियाँ, लोटे, कटोरे बिखरे पड़े थे। घर में धूल, मिट्टी और कीचड़ का ढ़ेर लग गया। मटर की सब्जी बनने से पहले भेड़ें खा गईं। मुर्गे-मुर्गियों के कारण कपड़े गंदे हो गए। यहाँ तक कि बच्चों को नहलाने धुलाने के लिए नौकरों को पैसे देने पड़े। अम्मा ने तो घर छोड़ने का भी फैसला ले लिया।

Page : 60, Block Name : कहानी से

Q3 "या तो बच्चा राज कायम कर लो या मुझे ही रख लो।" अम्मा ने कब कहा? और इसका परिणाम क्या हुआ ?

Answer. जब पिताजी ने बच्चों को घर के काम काज में हाथ बँटाने को कहा तब उन्होंने इसके विपरीत सारे घर को तहस-नहस कर दिया। जिससे अम्मा जी बहुत परेशान हो गई थीं। और अम्मा जी ने कह दिया या तो मुझे रख लो या बच्चाराज कायम कर लो | परिणाम ये हुआ कि पिताजी ने घर की किसी भी चीज़ को बच्चों को हाथ ना लगाने कि हिदायत दे डाली।

Page : 60, Block Name : कहानी से

Q4 'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है?

Answer. कामचोर कहानी यह सन्देश देती हैं कि हमें बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना चाहिए | बचपन से ही हमें उनकी उम्र के हिसाब से उन्हें काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि उनमें काम के प्रति रूचि उत्पन्न हो |

Page : 60, Block Name : कहानी से

Q5 क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

Answer. बच्चों द्वारा लिया गया निर्णय उचित नहीं था क्योंकि स्वयं हिलकर पानी न पीने का निश्चय उन्हें और भी कामचोर बना देगा। वे कभी-भी कोई काम करना सीख ही नहीं पाएँगें।

Page : 60, Block Name : कहानी से

aglasem.com

Q1 घर के सामान्य काम हों या अपना निजी काम, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें करना आवश्यक क्यों है?

Answer. अपनी क्षमता के अनुसार काम करना इसलिए जरूरी है क्योंकि क्षमता के अनुरूप किया गया कार्य सही और सुचारु रूप से होता है। यदि हम अपने घर का काम या अपना निजी काम, नहीं करेंगे तो हम कामचोर बन जाएँगे और दूसरों पर आश्रित हो जाएँगे| हमें चाहिए कि अपने काम दूसरों से ना करवाकर स्वंय करें अपने काम के लिए आत्मनिर्भर बनें।

Page : 60, Block Name : कहानी से आगे

Q2 भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधार पर निर्णय कीजिए।

Answer. भरा-पूरा परिवार तब सुखद बन सकता है जब सब मिल-जुलकर कार्य करें| इससे घर के किसी भी सदस्य पर अधिक कार्य का दबाव नहीं पड़ेगा। सब अपनी अपनी कार्यक्षमता के आधार पर कार्य को बाँट लें| काम को बाँटने से किसी दूसरे को काम करने के लिए कहने की जरुरत नहीं होगी और तनाव भी उत्पन्न नहीं होगा। इसके विपरीत भरा-पूरा परिवार दुखद तब बनता है जब सब स्वार्थ भावना से कार्य करें।यदि घर के सदस्य घर के कामों के प्रति बेरूखा व्यवहार रखेंगे तो सभी सदस्य कामचोर बन जाएँगे और अपने काम के लिए सदैव दूसरों पर निर्भर रहेंगे|

Page : 60, Block Name : कहानी से आगे

Q3 बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता-पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार? कामचोर कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Answer. बच्चों को बचपन से अपना कार्य स्वयं करने की सीख दी जानी चाहिए| बच्चे यदि बचपन से ही माता-पिता को छोटे-मोटे कार्यों में मदद करेगें तो वे उनके सहयोगी हो सकते हैं| जैसे स्वयं से स्कूल के लिए तैयार हो जाएँ, अपने जुराब स्वयं धो लें व अपने जूते पालिश कर लें, अपने खाने के बर्तन यथा सम्भव स्थान पर रख आएँ, अपने कमरे को व्यवस्थित करके रखें।

यदि हम बच्चों को उनका कार्य करने की सीख नहीं देते तो वह सहयोग के स्थान पर माता-पिता के लिए भार ही साबित होंगे। उनके बड़ा होने पर उनसे कोई कार्य कराया जाएगा तो वह उस कार्य को भली-भांति करने के स्थान पर तहस-नहस ही कर देंगे, जैसे की कामचोर लेख में बच्चों ने सारे घर का हाल कर दिया था। इसलिए माता-पिता को बच्चों को उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रूचि ध्यान में रखते हुए काम कराना चाहिए। जिससे बचपन से ही उनमें काम के प्रति लगन तथा रूचि उत्पन्न हो न कि ऊब। और बच्चे माता पिता सहयोगी हो सके।

Page : 60, Block Name : कहानी से आगे

Q4 'कामचोर' कहानी एकल परिवार की कहानी है या संयुक्त परिवार की ? इन दोनों तरह के परिवारों में क्या-क्या अंतर होते हैं?

Answer – कामचोर कहानी सयुंक्त परिवार की कहानी है| एकल परिवार में सदस्यों की संख्या तीन से चार होती है - माँ, पिता व बच्चे होते है। सयुंक्त परिवार में सदस्यों की संख्या ज़्यादा होती है क्योंकि इसमें चाचा-चाची ताऊजी-ताईजी, माँ-पिताजी, बच्चे सभी सम्मिलित होते हैं। एकल परिवार में सारा कार्य स्वयं करना पड़ता है जबकि संयुक्त परिवार में सबलोग मिल-जुलकर कार्य करते हैं। एकल परिवार में जीवन के सुख-दुख का अकेले सामना करना पड़ता है जबकि सयुंक्त परिवार में सारे सदस्य मिलकर जीवन के सुख-दुख का सामना करते है।

Page : 60, Block Name : कहानी से आगे

Q1 घरेलू नौकरों को हटाने की बात किन-किन परिस्थितियों में उठ सकती है? विचार कीजिए |

Answer. जब घर में ज्यादा सदस्य हो और सभी काम करने में सक्षम हो लेकिन नौकरों के काम करने की वजह से सब काम टाल रहे हो तब घरेलू नौकरों को हटाने की बात उठ सकती है | जब घर के सभी सदस्य मिलजुलकर सभी काम कर ले तो घरेलू नौकर रखने की जरुरत नहीं होगी |

Page : 60, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 कहानी में एक समृद्ध परिवार के ऊधमी बच्चों का चित्रण है | आपके अनुमान से उनकी आदतें क्यों बिगड़ी होगी? उन्हें ठीक ढंग से रहने के लिए आप क्या-क्या सुझाव देना चाहेंगे?

Answer. जब बच्चों को बचपन से ही सब सुख-सुविधाएँ मिल जाती है, उन्हीं हर जायज़-नाजायज़ माँग पूरी हो जाती है तो बच्चों की आदत बिगड़ जाती हैं | हमें बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनने की सीख देनी चाहिए | उन्हें सही और गलत की पहचान करानी चाहिए |

Page : 60, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 धुली-बेधुली बालटी लेकर आठ हाथ चार थनों पर पिल पड़े।" धुली शब्द से पहले 'बे' लगाकर बेधुली बना है। जिसका अर्थ है 'बिना धुली' 'बे' एक उपसर्ग है।'बे' उपसर्ग से बननेवाले कुछ और शब्द हैं–

बेतुका, बेईमान, बेघर, बेचैन, बेहोश आदि। आप भी नीचे लिखे उपसर्गों से बननेवाले शब्द खोजिए –

I. प्र ……………….

II. आ ……………….

III. भर ……………….

IV. बद ……………….

Answer.

I. प्र – प्रबल, प्रभाव, प्रयोग, प्रचलन, प्रवचन, प्रदीप

II. आ – आभार, आजन्म, आगत, आगम

III. भर – भरपेट, भरपूर, भरमार, भरसक

IV. बद – बदसूरत, बदमिज़ाज, बदनाम, बदतर

Page : 60, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com